



सूर्या फाउण्डेशन

मासिक पत्रिका

जून - 2024



शिक्षा
स्वास्थ्य
पर्यावरण
स्वावलंबन
समरक्षता

संदेश...



पद्मश्री
जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

हम सभी मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार के भाव से गाँव को शिक्षित, स्वस्थ, संस्कारित, समरस एवं स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहे हैं। एक ओर जहाँ भारत ने आत्मनिर्भर बनने के लिए अभूतपूर्व विकास का मार्ग अपनाया है, वहीं दूसरी ओर हम अपने पूर्वजों के द्वारा दिये गये आदर्श मूल्यों, संस्कारों, समृद्ध परंपराओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी कर रहे हैं। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं से भी पानी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते हैं। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। इसी के साथ बढ़ो आगे ही आगे हम होंगे कामयाब।

सिलाई से उभरते रोजगार के अवसर...

मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले के सिंगवारी गाँव में सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र संचालित है। जिसमें गाँव की माताएँ बहनें सिलाई सीखने आती हैं। इस माह सूर्या सिलाई केन्द्र को ग्वालियर मार्केट से लोवर सिलाई का कार्य मिला इस कार्य में गाँव की अन्य स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ भी जुड़ रही हैं। जिससे सिलाई सीखने के साथ-साथ उनके आय में भी वृद्धि हो रही है और अपने परिवार को सशक्त बना रही हैं।



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर लगाये गये पौधे



बहादुरगढ़, झज्जर (हरियाणा)

सूर्या सिलाई केन्द्र पर सिलाई सीखने वाली बहनों व महिलाओं को प्रमाण पत्र व सिलाई शिक्षिका को सिलाई मशीन भेंट की गई।



ग्राम संगठन बैठक

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के ग्राम थूनाकला में ग्राम संगठन के सदस्यों, स्वयं सहायता समूह की 50 महिलाओं, सूर्या संस्कार केन्द्र, यूथ क्लब एवं सिलाई केन्द्र के शिक्षकों के साथ बैठक कर गाँव के विकास कार्यों के लिए चर्चा किया गया। जिसमें सूर्या फाउण्डेशन के वाइस चेयरमैन आ. वेद जी एवं सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के सलाहकार श्री निशांत जी उपस्थित रहे।





सामुदायिक भवन का सौंदर्यीकरण

गाँव गोल्लापुरम :
हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश के हिंदूपुर क्षेत्र के गोल्लापुरम गाँव में सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा सामुदायिक भवन का सौंदर्यीकरण किया। इस कार्य में शौचालयों का निर्माण, बिजली की सुविधा, पानी की सुविधा और बरसाती पानी अंदर ना घुसे इस प्रकार के निर्माण कार्य हुये। उद्घाटन कार्यक्रम में ग्राम सरपंच एन देवराजू, सूर्या कम्पनी के एच. आर विभाग शिव प्रसाद, पूर्व जेड.पी.टी.सी के.एल आदिनारायण, वेलुगु सी.सी आदिनारायण आदि शामिल हुए।



ग्रामीण व्यक्तित्व

इस वर्ष अप्रैल और मई माह में ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन देशभर के 18 राज्यों के 256 गाँवों में किया गया था। इस शिविर में देशभर के 7680 भैया बहनों ने भाग लिया। प्रत्येक गाँव से 2-2 भैया बहनों को चयनित कर दिल्ली स्थित सेवा साधना स्थली झिंझोली में 15 दिवसीय ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में देशभर के 8 राज्यों से 184 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर में शिविरार्थियों ने कराटे, प्राकृतिक चिकित्सा, ध्यान, घुड़सवारी, निशानेबाजी, क्राफ्टिंग और योग के साथ-साथ लीडरशिप, भाषण कला आदि



विकास शिविर

गतिविधियों में भाग लिया। संस्था का लक्ष्य है सशक्त युवा, सशक्त भारत। शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री प्रियांक कानूनगो जी (चेयरपर्सन राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग, दिल्ली) सूर्या फाउण्डेशन के वाईस चेयरमैन मुख्य वक्ता आ. मुकेश त्रिपाठी जी, हेमंत शर्मा जी, आदर्श गाँव योजना प्रमुख श्री प्रमोद आसरे जी व सलाहकार श्री कामेश्वर जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। लगभग 200 ग्रामवासियों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। समापन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ योग पिरामिड और कराटे एवं मास पी.टी का प्रदर्शन किया गया।



विश्व योग दिवस

18 राज्य

264 गाँव

12055 योग साधक



कौशाम्बी (उ.प्र.)



जोधपुर (राजस्थान)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2024) पर 'स्वयं एवं समाज के लिए योग' के सिद्धांत पर देशभर के 18 राज्यों के 264 गाँवों में 12055 लोगों को योगाभ्यास कराया गया। शिविर में योग साधकों को दैनिक जीवन में स्वस्थ रहने के लिए विभिन्न यौगिक क्रियाओं, आसन, प्राणायाम, सूर्यनमस्कार एवं ध्यान का सामूहिक अभ्यास करवाकर होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'समाज के लिए योग' के सिद्धांत पर आधारित रही। जिसके तहत योग अभ्यास साधकों एवं आमजन को नियमित करवाया गया। नियमित योगाभ्यास से श्वास-प्रश्वास प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद मिलती है, जिससे सामान्य स्वास्थ्य में सुधार होता है, योग के अभ्यास से तनाव को कम करने में मदद मिलती है, जो रोगों और मानसिक समस्याओं को दूर करने में सहायक होती है। साथ ही सभी साधकों को योग को दैनिक जीवन में उतारने का संकल्प करवाया गया।



दीनदयाल धाम, मथुरा (उ.प्र.)



भुज, (गुजरात)



राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)



रामगढ़, (झारखण्ड)



हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)



काशीपुर (उत्तराखण्ड)



दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)



बहादुरगढ़ (हरियाणा)



स्वयं सहायता समूह

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्ग उत्तराखण्ड राज्य के उधमसिंह नगर जिला के गाँव गढ़ीनेगी में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का 5 दिवसीय महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। उद्घाटन में ग्राम प्रधान सचिन बाटला, संजय जी (ट्रेनर), रेखा तिवारी जी (क्लस्टर कोषाध्यक्ष) सहित कुल 25 महिला शिविरार्थी उपस्थित रहीं। इस 5 दिवसीय शिविर के दौरान Cleaning Product बनाने की विधि सिखाई गई जिसमें सर्फ, हैंडवॉश, डिसवॉश, फिनायल, बाथरूम क्लीनर, फर्स क्लीनर, टी-पाल इत्यादि वस्तुओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण ले रही सभी महिलाओं को प्रशिक्षण सर्टिफिकेट भी दिया गया।



: महिला स्वावलम्बन

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाया गया वाशिंग पाउडर

महिलाओं को समूह में छोटी-छोटी बचत करने तथा अपनी छोटी-मोटी जरूरतों की पूर्ति हेतु समूह में ही न्यूनतम दर पर लेन-देन हेतु सक्षम बनाने में सहयोग महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण करना है। उत्तर प्रदेश के काशी क्षेत्र के नकाइन गाँव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा नकाईन गाँव में वाशिंग पाउडर बनाया गया। वाशिंग पाउडर को बनाकर गाँव में बिक्री के साथ-साथ अन्य गाँवों में भी बिक्री के लिए प्रयास किया जा रहा है। जिससे महिलाएँ आत्मनिर्भर और सशक्त बनकर अपने परिवार को आर्थिक रूप से मदद भी कर रही हैं।



स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाया गया स्टॉल

आन्ध्र प्रदेश, हिन्दूपुर के गुडमपल्ली गाँव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सूर्या कम्पनी में स्टॉल लगाकर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों से संबंधित चिप्स और रागी पापड़, लड्डू चिक्की, मक्का, हाथ से बनी फूलों की मालाएँ आदि बेचीं। इसमें महिलाओं को काफी मुनाफा हुआ।



